चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.06.2020	04	01-06

भास्कर खास • एचएयू : स्टूडेंट्स से मांगे जा रहे आवेदन, जल्द जारी होगी एंट्रेंस तारीख, लुवास : छात्रों को परेशानी न हो व कोरोना से बचाव के मद्देनजर निर्णय

अब एचएयू के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस से भी कर सकेंगे ग्रेजुएशन और एमएफएससी

भास्कर न्यूज | हिसार

किसानों की आय दोगुना करना है उद्देश्य : कुलपति

प्रदेश के उन स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी है, जो कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस से ग्रेजुएशन व एमएफएससी करनी है। एचएयू के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस में इस साल से ग्रेजुएशन व एमएफएससी यानि मास्टर ऑफ फिशरीज साइंस भी कराई जा सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारी कर ली है। छात्रों से आवेदन भी मांगे जा रहे हैं। जल्द ही एंट्रेंस की तारीख निर्धारित कर दी जाएगी।

दरअसल, जनवरी माह में ही एचएयू के कुलपति डॉ. केपी सिंह के प्रयास से कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस की शुरुआत की गई थी। जिसमें छात्र एवं छात्राओं को पीएचडी कराई जा रही है। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि अब कॉलेज से छात्र एक्वाकल्चर, फिश संसाधन एवं प्रबंधन, जलीय जीवों की सेहत का प्रबंधन, फिश एवं टेक्नोलॉजी में पीएचडी के साथ ग्रेजुएशन भी कर सकेंगे। ग्रेजुएशन के लिए फिलहाल 20 जबकि पीएचडी के लिए 12, इसी के साथ एमपीएससी के लिए 12 सीटें निर्धारित की गई हैं। कॉलेज की इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर मलिक का कहना है कि एंट्रेंस परीक्षा की तारीख अभी निर्धारित नहीं की गई है। कोरोना के चलते परीक्षा ऑनलाइन होगी या फिर ऑफलाइन लिखित इस पर अभी निर्णय नहीं हो सका है। एचएयू के पदाधिकारियों की होने वाली मीटिंग में इस पर जल्दी निर्णय लिया जाएगा।

एचएयू के कुलपति -प्रोफेसर केपी सिंह का कहना है कि उनका उद्देश्य फिशरीज के क्षेत्र में अच्छे वैज्ञानिक तलाश कर किसानों को ट्रेनिंग देकर उनकी आय को दोगुना करना है। इसी उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। प्रयास रहेगा कि जल्द ही कॉलेज में अन्य कोर्सों को भी शुरू किया। ग्रेजुएशन व एमएफएससी के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जल्दी एंट्रेंस की तारीख निर्धारित कर दी जाएगी। विश्वविद्यालय ने इसके लिए तैयारी कर ली है।

स्टूडेंट्स लुवास कैंपस आने की बजाय नजदीक के रीजनल सेंटर पर ही कर सकेंगे इंटर्नशिप

भास्कर न्यूज | हिसार

आपातकालीन सेवाएं 24 घंटे शुरू : डॉ. गुरदयाल

लुवास के वेटरनरी एंड एनिमल साइंस के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए खुशखबरी है। इंटर्नशिप के लिए अब उन्हें लुवास हिसार में आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।छात्रों को परेशानी न हो व कोरोना से बचाव के मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन ने अंतिम वर्ष के छात्रों को करनाल के उचाना महेंद्रगढ़, अम्बाला रीजनल सेंटर में भी इंटर्नशिप करने की सुविधा प्रदान की है। लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह व पीआरओ अशोक कुमार मलिक का कहना है कि इंटर्नशिप के लिए आवेदन आ चुके हैं। 19 जून से इंटर्नशिप विभिन्न रीजनल सेंटर पर शुरू करा दी जाएगी।

कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह कहते हैं कि लॉकडाउन व उसके बाद भी लुवास व उससे जुड़े रीजनल सेंटर में लू आपातकालीन सेवाएं चल रही हैं। हालांकि अब अन्य सेवाओं को शुरू किया जा रहा है। गंभीर अवस्था वाले पशुओं को तुरंत उपचार देना प्राथमिकता में शामिल है। कुलपति ने बताया कि सराहनीय कार्य करने वाले वेटरनरी सर्जन व अन्य चिकित्सकों का भी ब्यौरा तैयार कराया जा रहा है, जिन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।

दरअसल, अभी तक ऐसा होता था कि हिसार लुवास में आकर ही अंतिम वर्ष के छात्र इंटर्नशिप करते थे। अभी हाल ही में 70 से विभिन्न स्थानों के वेटरनरी एंड एनिमल साइंस के अंतिम वर्ष के छात्रों ने अंतिम वर्ष की परीक्षा दी थी। अभी उनकी इंटर्नशिप होनी बाकी है। जिस छात्र के नजदीक जो भी रीजनल सेंटर है चाहे वह उचाना, महेंद्रगढ़, अम्बाला कोई सा भी क्यों न हो वहीं पर जाकर इंटर्नशिप शुरू कर देगा। कुलपति का कहना है कि छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इंटर्नशिप के बारे छात्रों को भी जानकारी दे दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	16.06.2020	10	02-05

एचएयू का सेंटर होगा स्थापित : गिगनाऊ में बनेगा बागवानी केंद्र

पैसा रोका तो आढ़तियों पर पड़ेगी ब्याज की मार : दलाल

कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने की लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा है कि विगत खरीफ की फसल बाजरा व कपास की कम पैदावार होने पर सरकार ने जिला भिवानी के प्रभावित किसानों की भरपाई के लिए करीब 100 करोड़ रुपये मुआवजा दिलवाया है।

उन्होंने कहा कि लॉक डाउन के दौरान भी सरकार द्वारा किसानों के साथ-साथ भिवानी के विकास के लिए करोंड़ों रुपए की राशि मंजूर की है। उन्होंने कहा कि 72 घंटे से अधिक समय तक किसानों की फसल का पैसा अदा नहीं करने वाले आढ़तियों से ब्याज सहित पैसे वूसल किए जाएंगें। उन्होंने कहा कि लोहारू के हलके गांव गिगनाऊ में 25 एकड़ में दस करोड़ रुपये की लागत से बागवानी का उत्कृष्ट केंद्र बनाया जाएगा। जिला भिवानी में एचएयू और पशुपालन विभाग का भी रीजनल सेंटर स्थापित किया जाएगा। कृषि मंत्री श्री दलाल सोमवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भिवानी में कोविड-19 महामारी संक्रमण से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा समुचित प्रबंध किए गए हैं। फिलहाल करीब 1010 आइसोलेशन बेड की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग के पास छह वेंटीलेटर हैं और चार आक्सीजन स्पॉटिंग वेंटीलेंटर हैं। विभाग के पास 15 हाई डिपेंडेंसी यूनिट हैं। इसके साथ-साथ सरकार के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्त्रमित मरीजों को होम आईसोलेट किया गया जा रहा है। अब तक 32 लोगों को होम आईसोलेट किया जा चुका है। खारे पानी की जमीन पर बनवाए जाएंगे मछली पालन केंद्र पशुपालन मंत्री श्री दलाल ने कहा कि जिला में खारे पानी वाली जमीन क्षेत्रों को सरकार किसानों से ठेके पर लेगी और वहां पर झींगा मछली पालन केंद्र स्थापित करवाए जाएंगे। सरकार ठेके पर जमीन लेने के लिए किसानों के बीच एक मजबूत कड़ी का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 50 ब्लॉक में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रिप इरीगेशन व सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर 100 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है।

एचएयू का रीजनल सेंटर स्थापित किया

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री दलाल ने कहा कि जिला भिवानी में एचएयू का रीजनल सेंटर स्थापित किया जाएगा, जहां पर कृषि विशेषज्ञ तैनात होंगे। इससे यहां के किसानों को सीधा लाभ होगा। समय-समय पर किसान आधुनिक खेती की तकनीक जान सकेंगे, जिससे उनकी आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि लुधास की तर्ज पर पशुपालन विभाग का जिला भिवानी में भी रीजनल सेंटर स्थापित करवाया जाएगा,जिससे पशु पालन को बढ़ावा मिलेगा।

मंडी के सामने बनेगा गोदाम

उन्होंने कहा कि भिवानी की नई अनाज मंडी के सामने खाली पड़ी जमीन पर वेयर हाउस का गोदाम बनवाया जाएगा जिसकी क्षमता करीब 20 हजार मी. टन होगी। उन्होंने बताया कि लॉकडाउन होने के बावजूद भी करीब नौ लाख किसान, व्यापारी और मजदूर प्रदेश की मंडियों में पहुंचे हैं। करीब सवा आठ लाख मी. टन सरसों व करीब 76 लाख मी. टन गेहूं की खरीद हुई है। अधिकांश किसानों की पेमेंट उनके खातों में भेज दी गई है।

25 एकड़ में बनेगा बागवानी केंद्र

कृषि मंत्री श्री दलाल ने बताया कि किसानों को परंपरागत खेती की बजाय बागवानीए फल-फूल व सब्जी के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए गांव गिगनाऊ में इंडो-इजराईल की तकनीक पर बागवानी का उत्कृष्ट केंद्र बनाया जाएगाए जहां पर उत्तम किस्म की पौध तैयार की जाएंगी। यहां पर साल में एक-दो बार मेले का आयोजन भी किया जाएगा। यहां से किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर पौध दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस केंद्र पर फिलहाल दस करोड़ रुपये खर्च होंगे।